अमृत वाणी

चापलूसी दिखावटी मित्रता के समान है।

– सुकरात

संपादकीय

बौखलाहट से पागल हो रहा पाकिस्तान

भारत ने 6 और 7 मई की दरम्यानी मध्यरात्रि जिस तरह से अपने आपरेशन सिंदुर के तहत ताबड़तोड़ हमले कर पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू कश्मीर में संचालित आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया है उससे पाकिस्तान बौखलाहट में अपना आपा खो बैठा है। उसके लिए सबसे बड़ी परेशानी यह हो गई है कि भारत के ऑपरेशन सिंदुर के तहत की गई यह कार्यवाही इतनी नपी तुल, गैर उकसावे वाली एवं जिम्मेदाराना थी कि उसके लिए इसका विरोध करने का कोई आधार ही नहीं रहा। आपरेशन के बाद भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर ने बकायदे पाकिस्तान को अपनी ब्रीफिंग में ऑपरेशन सिंदुर के तहत आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले की क्लिप भी दिखाई। इस ब्रीफिंग में उन्होंने एवं भारत के विदेश सचिव ने स्पष्ट रुप से कहा कि इस ऑपरेशन का उद्देश्य आतंकवादी ढांचे को नेस्तनाबूद करना और आतंकवादियों को आगे किसी भी ऐसी हरकत के लिए अक्षम बनाना था। इस कार्यवाही में न तो पाकिस्तान के किसी सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया गया और न ही निर्दोष लोगों या उनकी संपत्ति को कोई नुकसान पहुंचाया गया है। यह भी बताया गया कि यह कार्यवाही 25 अप्रेल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पहलगांव में हमले के बावत जारी बयान की भावना के भी अनुकूल है।

ब्रीफिंग से पहले एक स्लाइड में यह भी बताया गया कि किस तरह पाकिस्तान कई दशकों से आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है और उसके व्दारा प्रेरित आतंकवादी हमलों में कैसे सैकड़ों भारतीय नागरिक और सुरक्षा कर्मी मारे गए हैं।

दरअसल इस आपरेशन से दुनिया के सामने उसका वास्तविक चेहरा खुलकर सामने आ गया है कि किस तरह उसकी जमीन पर आतंकवादी गतिविधियां संचालित हो रही है। यही वजह है कि वह आक्रोश से तिलमिला रहा है पर उसके पास न तो किसी दूसरे देश के सामने अपना दुखड़ा रोने की कोई गुंजाइश बची है और न स्वयं कुछ कर पाने की। भारत ने आपरेशन के बाद कई देशों के अपने समकक्षों से बात करते हुए यह भी कहा है कि भारत तनाव को नही बढ़ाना चाहता है लेकिन अगर पाकिस्तान कोई जवाबी कार्यवाही कर तनाव बढ़ाएगा तब करारा जवाब दिया जायगा।

इस समय पाकिस्तान बौखलाहट में नियंत्रण रेखा पर लगातार गोलीबारी कर रहा है जिसमें भारत के कई नागरिकों की भी जान गई है। इस पर उसे तत्काल रोक लगानी चाहिए नही तो आज नही तो कल इसका खामियाजा भी उसे चुकाना ही होगा। भारत निर्दोष नागरिकों को किसी प्रकार का नुकसान नही पहुंचे इस पर हमेशा सतर्क रहकर अपने जिम्मेदाराना व्यवहार का परिचय देता रहा है मगर पाकिस्तान के आचरण हमेशा से इसके विपरीत उकसाने वाले रहे है जो अत्यंत दुखद और शर्मनाक हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र को दूसरों के लिए न सही, कम से कम अपने देश के हित में इन संवेदनशील मामलों में दूरदर्शिता और संयम का परिचय देना चाहिए।

राज-काज

ट्रंप विरोधी राष्ट्रवाद

ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था। ये वाजिब सवाल होगा कि कनाडा के चुनाव नतीजों को अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ जनादेश कैसे कहा जा सकता है। लेकिन हकीकत यही है कि डॉनल्ड ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय हो गई थी कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था।

आपरेशन सिंदूर एक सार्थक पहल और सख्त सन्देश

पहलगाम आतंकी हमले में सुहागनों के सिन्दूर को उजाड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए आपरेशन सिंदूर की सफलतम कार्रवाई हर भारतीय के सीने को गर्व से भरने वाली है। बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पीओके में आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की कई सटीक संयमित एवं नपी.तुली कार्रवाई पाकिस्तान को करारा सबक एवं सख्त संदेश है। निश्चित ही अब भारत की आत्मा पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

आपरेशन सिंदूर में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैश.ए.मोहम्मद जेईएम लश्कर.ए.तैयबा एलईटी और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान में मौजूद 90 आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत भीतर घूस कर मारता है इस बार भी उसने बिना पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश किये आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया, जो बहुत सराहनीय कदम है गौरवान्वित करने और जोश से भर देने वाली साहसिक एवं अनूठी घटना है।आपरेशन सिंदूर से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दर्शाते रहेंगे इस बार समूचा देश एकजुट हुआ उन्हें तो आतंक का माकूल जबाव चाहिए था, पाकिस्तान में पोषित हो रहे आतंकवाद के लिये कठोर कार्रवाई चाहिए थी। वायुसेना की इस कार्रवाई से न केवल भारत को बल्कि समूची दुनिया को राहत की सांसें मिली हैं। इस कार्रवाई से भारत ने पाकिस्तान को बेहद सख्त और निर्णायक संदेश दिया है कि अब आतंकवाद नहीं चलेगा। भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम बरता है। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइलों से हवाई हमला किया गया। ऑपरेशन को ऑपरेशन सिंदूर नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद यह जवाब भारतीय बहनों एवं सुहागिनों के लिए एक उचित प्रतिशोध है जिन्होंने बर्बर आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया।

भारत के बदले की कार्रवाई का समय भी महत्वपूर्ण है। एयर स्ट्राइक एक हिंदू परिवार में मौत के बाद शोक के 13 दिन तेरहवीं के बाद हुई और हमारी बहनों एवं पीड़ितों को उचित न्याय मिला है। भारतीय वायु सेना द्वारा अपनी सीमा के भीतर से दागी गई सटीक मिसाइलों के माध्यम से मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर, भिमबर, सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके और बहावलपुर में केवल ज्ञात और पहचाने गए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने बहावलपुर में जैश.ए.मोहम्मद जेईएम के कुख्यात आतंकी मुख्यालय को नष्ट कर स्पष्ट संदेश दिया है। जैश.ए.मोहम्मद चीफ हाफिज सैयद द्वारा बनाया गया यह स्थान आतंक का केंद्र प्रयोगशाली एवं नर्सरी बन गया था। आगे भी भारतीय सेनाएं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार हैं। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की बहानेबाजी एवं आतंकवाद को लगातार प्रोत्साहन एवं पल्लवन देने की स्थितियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया था कि उसे न केवल सबक सिखाया जाए बल्कि यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब उसकी चालबाजी में आने वाला नहीं है। यदि भारत ने पाकिस्तान और वहां पल.पल पनप रहे आतंकवाद को सबक नहीं सिखाया तो वे पुलवामा, उरी, पहलगाम जैसी दुखद घटनाओं को अंजाम देते रहेंगे, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सच्चे राष्ट्रभक्त एवं राष्ट्रनायक की भांति आतंकवाद की अनिर्णायक स्थिति में निष्पक्षता एवं कठोरता का पार्ट अदा किया हैं। अब तक हमने सदैव क्षमा करो और भूल जाओ को वरीयता दी है। यही कारण है कि आतंकवाद बढ़ता गया, आतंकवादी पनपते गये, निर्दोष लाशें बिछती रही। अब यह वक्त बताएगा कि पाकिस्तान कोई सही सबक सीखता है या नहीं लेकिन इसमें दोराय नहीं कि एयर स्ट्राइक से बिना उसकी सीमा में घुसे बड़े आतंकी अड्डे पर हमला करके यह बता दिया कि भारत के सहने की एक सीमा है उसके धैर्य का बांध टूट गया है। पाकिस्तानी सेना की उन्मादी मानसिकता एवं विकृत सोच को हम जानते हैं कि वह अपनी गंदी चालों से बाज नहीं आयेगा। लेकिन भारतीय सैन्य बल के सामने वह टिक नहीं पाएंगे। इस बार भारत पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीयों ने भी मोदी सरकार के नेतृत्व के पीछे अभूतपूर्व एकता दिखाई है। जाहिर है कि पाकिस्तान बड़े.बड़े दावे करेगा और दुनिया के सामने विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश करेगा। लेकिन पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश मिल गया है भारत के साथ खिलवाड़ न करें। फ्लिहाल पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय मिल गया है। पाकिस्तान से आतंक की जड़ों को मिटाने का यह स्पष्ट और सार्थक कदम है।

पाकिस्तान ने संयम एवं इंसानियत को छोड़ दिया है उसने मर्यादा और सिद्धान्तों के कपड़े उतार कर नंगापन को ओढ़ लिया है। पूर्वाग्रह एवं आतंकवादी अहंकार के कारण वह विवेकशून्य हो गया है। उसको एवं उसके द्वारा पोषित आतंकवाद को परास्त करना जरूरी हो गया थाए उसको परास्त करने का अर्थ उसे काबू में कर सही रास्ते पर लाना नहीं बल्कि आतंकवाद नेस्तनाबूद करना है। अब भी यदि वह सबक नहीं सिखता है तो उसका संकट बढ़ सकता है। भारत युद्ध नहीं चाहता लेकिन पाकिस्तान युद्ध की मानसिकता से ग्रस्त है। उसे यह भी समझ आना चाहिए कि परमाणु बम के इस्तेमाल की उसकी धमकियां अब काम आने वाली नहीं। हर आतंकवादी घटना मानवीयता को घायल करती है और हर ऐसी जलने वाली लाश का धुआं मानवता पर कालिख पोत देता है। लेकिन आतंकवाद के शमन का रास्ता खोल कर भारत ने दुनिया को भी आश्वस्त किया है कि अब आतंकवाद की दिन लद गये है। भारत की कार्रवाई इस दिशा में एक सार्थक पहल है जिसने आतंकवाद के पैर ले लिये हैं उसे पंगु बना दिया है। यह निश्चित ही सम्पूर्ण मानवता के लिये उजली सुबह की आहत है।

दरअसल पाकिस्तान इसलिए अपनी आतंकी सोच बढ़ाता जा रहा था, क्योंकि उसे ठीक से कड़ा संदेश नहीं मिल रहा था। इस तरह उनकी हिम्मत बढ़ती गयी थी और उसने भारत में एक नहीं अनेक बार पहलगाम जैसी दर्दनाक घटनाओं को नाकाम करने की सख्त जरूरत पड़ीए ताकि आगे हम अपने और जवान न खोयें, निर्दोषों को मरते न देखें, अशांति को न झेले एवं भय को न जीये। भारत ने यह कर दिखाया है। तमाम आतंकी अड्डे को मटियामेट किया गया वैसे तमाम अड्डे पाकिस्तानी सेना के संरक्षण और समर्थन से ही चलते रहे हैं। अभी तक पाकिस्तान ऐसे अड्डों को खत्म करने का दिखावा करने के साथ यह बहाना भी बनाता रहा है कि हम तो खुद ही आतंक के शिकार हैं। यह झूठ न जाने कितनी बार बेनकाब हो चुका है किंतु पाकिस्तान बेशर्मी से बाज नहीं आता। सफ्ल हवाई हमले को अंजाम देने के बाद भारत दुनिया को यह संदेश देने में भी कामयाब रहा कि उसने पाकिस्तान को निशाना बनाने के बजाय उसके यहां कायम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। वायुसेना ने अपनी पराक्रम क्षमता और साहस का जो परिचय दिया, वह पाकिस्तान के साथ विश्व समुदाय को भी एक संदेश है। वह यह संदेश इसीलिए दे सकी, क्योंकि प्रधानमंत्री ने जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया। पाकिस्तान के मनोबल को तोड़कर ही आतंकवाद को परास्त किया जा सकेगा। अब पाकिस्तान को यह भय भी सताएगा कि उसकी ओर से भारत के खिलाफ कोई कदम उठाया गया तो उसे कहीं अधिक करारा जवाब मिलेगा। उस जबाव का अर्थ होगा पाकिस्तान के सम्मुख संकटों के पहाड़ खड़े होनाए वहां की अर्थ.व्यवस्था ध्वस्त होनाए जनजीवन का परेशान होना अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग.थलग पड़ना। भारतीय सेना को अब और भी ज्यादा मुस्तैद.सतर्क रहना होगा और बेहतर रणनीति के साथ तैयारी भी मजबूत रखनी होगीए ताकि पाकिस्तान की तरफ से अगर कोई जवाबी कार्रवाई होती हैए तो उसका हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब दे सके।

ललित गर्ग

(दो लेखक के अपने विचार है)

पहलगाम हमले से वक्फ की लड़ाई से देश का ध्यान भटका

जम्मू कश्मीर के पहलगाम की घटना और उससे पहले पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर की भड़काऊ भाषण ऐसे समय में हुआ है, जब भारत में कई किस्म के सांप्रदायिक विवाद चल रहे हैं। एक बड़ा विवाद वक्फ संशोधन कानून का है, जिसे सरकार ने संसद के बजट सत्र में पास किया। तीन और चार अप्रैल को यह विधेयक क्रमशः लोकसभा और राज्यसभा से पास हुआ। छह अप्रैल को राष्ट्रपति ने इसकी मंजूरी दी और केंद्र सरकार ने दो दिन बाद इसे लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी।

इस कानून के खिलाफ दो स्तर पर लड़ाई चल रही है। एक लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है, जहां 70 से ज्यादा याचिकाएं दायर की गई हैं तो दूसरी लड़ाई सड़क पर चल रही है, जिसका नेतृत्व ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड कर रहा है। पहलगाम की घटना ने वक्फ की लड़ाई से देश का ध्यान भटका दिया है।

गौरतलब है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड यानी एआईएमपीएलबी ने 10 अप्रैल से 87 दिन के विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था और कहा था कि सात जुलाई तक उसका प्रदर्शन चलेगा। इस दौरान वक्फ कानून के खिलाफ एक करोड़ लोगों के दस्तखत जुटाए जाएंगे और उन्हें प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा। इसके बाद एआईएमपीएलबी की ओर से विरोध प्रदर्शन के दूसरे चरण की घोषणा होनी थी।

एआईएमपीएलबी के साथ साथ जमात ए उलमा ए हिंद की ओर से भी प्रदर्शन हो रहा था और इसके अलावा हर जुमे को नमाज के बाद किसी न किसी रूप में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। परंतु पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों से 'कलमा' पढ़वाने और धर्म पूछ कर हत्या कर देने की घटना के बाद समूचा विरोध प्रदर्शन एक तरह से स्थगित हो गया है। आम लोगों का ध्यान भी इससे हट गया है।

यह ऐसी घटना हुई है, जैसी इससे पहले कश्मीर घाटी में देखने सुनने को नहीं मिली थी। कुछ आतंकवादी बाहरी लोगों की हत्या कर रहे थे लेकिन पर्यटकों को निशाना नहीं बनाया जा रहा था। इसी वजह से सुरक्षा बल भी लापरवाह हो गए थे। पंजाब में आतंकवाद के समय धर्म पूछ कर त्या करने की अनेक घटनाएं हुई थीं और उसके बाद उसको खत्म करने में समय नहीं लगा। कश्मीर घाटी में ऐसा नहीं होता था। पहली बार ऐसा हुआ कि हिंदुओं को धर्म पूछ कर मारा गया। इस वजह से वक्फ कानून के खिलाफ लड़ रहे संगठन और नेता भी बैकफुट हैं और व्यापक रूप से मुस्लिम आबादी भी हिली हुई है। उसको लग रहा है कि इससे भारतीय समाज में उनका अलगाव पहले से ज्यादा बढ़ेगा। यही कारण है कि ऑल इंडिया एमआईएम के नेता हों यो एआईएमपीएलबी और जमात के नेता, सब आगे बढ़ कर इस आतंकवादी घटना की निंदा कर रहे हैं। उनमें होड़ लगी है कि कौन ज्यादा कठोर शब्द में निंदा कर सकता है। इतना ही नहीं उन्होंने देश भर के मुस्लिम लोगों से कहा कि वे इस जुमे को यानी शुक्रवार, 25 अप्रैल को नमाज के दौरान काली पट्टी बांध कर पहलगाम की घटना का विरोध जताएं। सोचें, जो मुस्लिम समाज जुमे की नमाज के दौरान काली पट्टी बांध कर वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर रहा था और उसको उत्तर प्रदेश सरकार नोटिस भेज रही थी उसने काली पट्टी बांध कर कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले का विरोध जताया है।

हरिशंकर व्यास

(दो लेखक के अपने विचार है)

मैं देखता हूँ दिखवाता हूँ!

मैं देखता हूँ दिखवाता हूँ पता करता हूँ,
अफसरों के सरकारी जवाब सुनवाता हूँ।
आपने यह मामला मेरे संज्ञान में लाया है,
हमारा बेटा भी सुबह से घर नहीं आया हैं।
देखिये, हमारे पास और भी काम होते हैं,
हमारे बच्चे भी पापा.पापा करके रोते हैं।
मैं देखता हूँ, दिखवाता हूँ, पता करता हूँ,
अफसरों के सरकारी जवाब सुनवाता हूँ।
मुझे इस बारे में आपने अभी अभी बताया है,
हम कड़ी कार्रवाई करेंगे वादा दोहराया है।
आप हमपे यकीन कीजिये, हमें भरोसा है,
सरकार ने आज तक आश्वासन परोसा हैं।
मैं देखता हूँ, दिखवाता हूँ,पता करता हूँ,
अफसरों के सरकारी जवाब सुनवाता हूँ।
देखिये साहब आकस्मिक अवकाश पे है,
वह आते ही मामले की तहकीकात करेंगे,
अपनी जवाबदेही से वे कभी ना मुकरेंगे।

-संजय एम तराणेकर

वर्ग पहेली 5725

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस देश में फूल, रूमाल घड़ी आदि तोहफे देना गलत माना जाता है (2)
3. तमसा के तट पर इस महर्षि का आश्रम था, प्रख्यात ग्रंथ रामायण इन्हीं की कृति है (3)
6. विवाह तय होने के बाद वर को फल, रूपए देने आदि की रस्म (4)
8. शोध करने वाला (3)
10. मात्रा, तौल (4)
11. दौड़ने वाले को अंग्रेजी में यह कहत है (3)
12. कोन, रेखिक, मापी, खूंटा (2)
13. अध्ययन करने की क्रिया (2)
15. जयशंकर प्रसाद की प्रबंध काव्य (4)
18. दौड़पथ, धावनपथ (3)
20. कर या टैक्स देने वाला (4)
21. कार्यपूर्ति का माध्यम, उपकरण, जरिया (3)
22. भू पटल पर निचले और समतल क्षेत्र यह कहलाते है (3)

ऊपर से नीचे
1. मुख्यमंत्री को अंग्रेजी में यह कहत है (6)
2. शरीर की लंबी हड्डी को यह कहते है (3)
3. कपि, वानर (3)
4. इस प्रसिद्ध पार्श्व गायक की बतौर संगीतकार पहली फिल्म झुमरू 1961 थी (6)
5. राजस्थान का एक शहर जो लोकसभा के पूर्व अध्यक्ष (दिवंगत) बलराम जाखड़ का संसदीय क्षेत्र रहा है (3)
7. पिता का पिता, बाबा (2)
9. गणित के जोड़ का चिन्ह, रूपया-पैसा (2)
12. शंका करने वाला, शंकालु (4)
14. विश्वविद्यालय या महाविद्यालय का संकायध्यक्ष का मुख्य आचार्य (2)
16. जब-तब, कभी-कभी (4)
17. आनीत, नीत (2)
19. पगार, तनख्वाह (3)

वर्ग पहेली 5724 का हल

ब्रि	टे	न		अ	मे	ज	न
ज	ल	ज		ट	ह	ल	
	र	फ	बु	क		वा	क
सा			नि	ल	य		मा
ह	म	सा	या		म	ह	ल
सि	ल		द		ढ़ि	ज	
क	मा	ई		य	ती	म	
	स		न	दि	या		

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5725

	5				4		6	
3				6	8	2		
4	6			9				1
					1		4	
	3	4		5		7	2	
	9		2					
6				8			7	9
		9	3	2				8
	7		9				5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5724

3	2	6	8	4	5	1	7	9
4	8	7	6	1	9	5	2	3
9	1	5	7	2	3	6	8	4
7	9	2	5	6	8	4	3	1
6	4	8	3	9	1	7	5	2
1	5	3	4	7	2	8	9	6
2	6	1	9	5	7	3	4	8
8	7	4	2	3	6	9	1	5
5	3	9	1	8	4	2	6	7